जनजातीय अध्ययन पीठ

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

द्वारा आयोजित एवं

भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद, दिल्ली के सौजन्य से पोषित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय : भारतीय जनजातीय समाज : पहचान और सांस्कृतिक विरासत

(26, 27, 28 मार्च 2018)

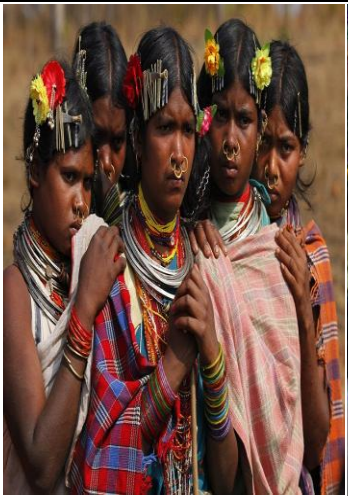

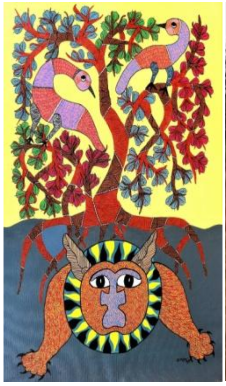

जनजातीय अध्ययन पीठ

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

एवं

भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

(26, 27, 28 मार्च 2018)

भारतीय जनजातीय समाज : पहचान और सांस्कृतिक विरासत

कार्यक्रम स्थल :

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सेमीनार हाल, धौलाधार परिसर, धर्मशाला

दिनांक – 26/03/2018

प्रथम उद्घाटन सत्र :

दिनांक – 26/03/2018

समय : 10:00-1:00

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर,

जनजातीय पीठ, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

अध्यक्षीय भाषण

प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री

माननीय, कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

मुख्य अतिथि एवं बीज वक्तव्य

प्रोफ़ेसर बी.बी.कुमार

माननीय निदेशक, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, दिल्ली

विशिष्ट अतिथि :

प्रोफ़ेसर एस. आर. भट्ट

माननीय निदेशक, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद, दिल्ली

प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ल

माननीय सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान, परिषद्, दिल्ली

श्री जगदीश चन्द रांगडा

माननीय, कुलसचिव, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

प्रोफ़ेसर एच.आर.शर्मा

माननीय, प्रति कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

प्रोफ़ेसर रोशनलाल शर्मा

कुलानुशासक, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

श्री आशीष भावे

माननीय सचिव, नार्थ इस्ट सेंटर, दिल्ली

भोजनवकाश : 1:00-2:00

दिनांक – 26/03/2018

द्वितीय सत्र :

समय: 2:00-3:30

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विषय : भारतीय जनजाति समुदाय की अवधारणा : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर के. एम. मैत्री, जनजातीय विभाग, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी (कर्नाटक).

प्रोफ़ेसर नबाम नाखा हिना, राजनीति विज्ञान विभाग, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश

प्रोफ़ेसर बलदेव भाई शर्मा, पत्रकारिता विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

डॉ. सावित्री बड़ाईक, स.प्रो. सूरज सिंह मेमोरियल कालेज, राँची, झारखंड

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

डॉ. फिर्मी बोडो, सामाजिक विज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़, असम

डॉ. मिलन रानी, जनजाति मामलों की विशेषज्ञ

टी ब्रेक – समय : 3:30-4:00

तृतीय सत्र : 26/03/2018

समय : 4:00-5:30

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विषय : भारतीय जनजातीय समुदाय : इतिहास, संस्कृति एवं परम्पराएँ

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर हेमराज मीणा, जनजाति विशेषज्ञ एवं पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा, गुवाहाटी केन्द्र , असम

महादेव टोप्पो, जनजाति लेखक, विचारक एवं एक्टिविस्ट, झारखंड

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

डॉ. नारायण राव सिंह, बीकानेर विश्वविद्यालय, अजमेर

डॉ. स्नेहलता नेगी, ऐसो.प्रोफ़ेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. सावित्री बड़ाईक, स.प्रो. सूरज सिंह मेमोरियल कालेज, राँची, झारखंड

दिनांक – 27/03/2018

प्रथम सत्र :

समय : 9:30-11:00

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़
आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विषय : भारतीय जनजाति समुदाय : साहित्य, कला एवं आर्थिक व्यवस्था के स्रोत

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –
डॉ. रोशनलाल शर्मा, कुलानुशासक, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
डॉ. प्रमोद मीणा, ऐसो. प्रोफ़., महात्मा गाँधी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार
विशेष अतिथि एवं वक्ता –
डॉ. जनार्दन गोंड़, जनजाति लेखक, एक्टिविस्ट एवं कनिष्ठ अधीक्षक, आई.आई. टी. मुंबई
डॉ. हेमराज बंसल, अंग्रेजी विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
डॉ. स्नेहलता नेगी, ऐसो.प्रोफ़ेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

टी ब्रेक : समय 11:00-11:30 बजे

द्वितीय सत्र :

समय : 11:30-1:00 बजे
संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़
आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विषय : भारतीय जनजाति समुदाय : भाषा, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –
प्रोफ़ेसर के. एम. मैत्री, जनजातीय विभाग, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी (कर्नाटक).
प्रोफ़ेसर हेमराज मीणा, जनजाति विशेषज्ञ एवं पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा, गुवाहाटी केन्द्र , असम
प्रोफ़ेसर मनोज सक्सेना, संकायाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर बलवान सिंह गौतम, अम्बेडकर चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

वंदना टेटे, सचिव, झारखंडी, भाषा साहित्य, संस्कृति अखड़ा, झारखंड

महादेव टोप्पो, जनजाति लेखक, विचारक एवं एक्टिविस्ट, झारखंड

भोजनवकाश : 1:00-2:00

तृतीय सत्र :

समय : 2:00-3:30 बजे

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

विषय : भारतीय संविधान में प्रद्दत जनजाति अधिकार एवं सुविधाएँ

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर बलवान सिंह गौतम, अम्बेडकर चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

प्रोफ़ेसर प्रदीप नायर, संकायाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

अश्विनी कुमार पंकज, जनजाति मामलों के विशेषज्ञ, एक्टिविस्ट, झारखंड

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

डॉ. प्रमोद मीणा, ऐसो. प्रोफ़., महात्मा गाँधी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

सुषमा असुर, एक्टिविस्ट, सदस्य, रोजकेरकेट्टा फाउंडेशन, झारखंड

डॉ. मनप्रीत अरोड़ा, प्रबंधन विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

डॉ. जनार्दन गोंड़, जनजाति लेखक, एक्टिविस्ट एवं कनिष्ठ अधीक्षक, आई.आई. टी. मुंबई

डॉ. स्नेहलता नेगी, ऐसो.प्रोफ़ेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

टी ब्रेक : समय 3:30-4:00 बजे

चतुर्थ सत्र :

समय : 4:00-5:30 बजे

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

विषय : भारतीय आन्दोलन में जनजातीय क्रांतिकारियों का योगदान

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर के. एम. मैत्री, जनजातीय विभाग, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी (कर्नाटक).

प्रोफ़ेसर हेमराज मीणा, जनजाति विशेषज्ञ एवं पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा, गुवाहाटी केन्द्र , असम

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

महादेव टोप्पो, जनजाति लेखक, विचारक एवं एक्टिविस्ट, झारखंड

डॉ. प्रमोद मीणा, ऐसो. प्रोफ़., महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

दिनांक – 28/03/2018

प्रथम सत्र :

समय : 9:30-11:30

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

विषय : भारतीय जनजाति समुदाय : शासन पद्धति एवं राजनीतिक विश्लेषण

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर हेमराज मीणा, जनजाति विशेषज्ञ एवं पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा, गुवाहाटी केन्द्र , असम.

डॉ. स्नेहलता नेगी, ऐसो.प्रोफ़ेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. जनार्दन गोंड़, जनजाति लेखक, एक्टिविस्ट एवं कनिष्ठ अधीक्षक, आई.आई. टी. मुंबई

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

महादेव टोप्पो, जनजाति लेखक, विचारक एवं एक्टिविस्ट, झारखंड

डॉ. प्रमोद मीणा, ऐसो. प्रोफ़., महात्मा गाँधी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

डॉ. अर्चना कटोच, मीडिया विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

टी ब्रेक : समय 11:30-12:00 बजे

द्वितीय सत्र :

समय : 12:00-2:00 बजे

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विषय : भारतीय जनजाति समुदाय : कुछ मुद्दे, कुछ प्रश्न

मुख्य अतिथि एवं वक्ता –

प्रोफ़ेसर के. एम. मैत्री, जनजातीय विभाग, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी (कर्नाटक).

डॉ. रोशनलाल शर्मा, कुलानुशासक, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विशेष अतिथि एवं वक्ता –

अश्विनी कुमार पंकज, जनजाति मामलों के विशेषज्ञ, एक्टिविस्ट, झारखंड

सुषमा असुर, एक्टिविस्ट, सदस्य, रोजकेरकेट्टा फाउंडेशन, झारखंड

डॉ. अर्चना कटोच, मीडिया विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

डॉ. मनप्रीत अरोड़ा, प्रबंधन विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

डॉ. हेमराज बंसल, अंग्रेजी विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

भोजनवकाश : 2:00-3:00

तृतीय समापन सत्र :

समय : 3:00-5:30 बजे

संचालन : डॉ. रवि कुमार गोंड़

आभार ज्ञापन : प्रोफ़ेसर सतीश गंजू, चेयर प्रोफ़ेसर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विषय : सेमीनार के सम्पूर्ण विषयों पर एक नज़र

संरक्षक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

कार्यक्रम समापनीय उदबोधन

प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री

माननीय कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विशिष्ट अतिथि :

प्रोफ़ेसर एस. आर. भट्ट
माननीय निदेशक, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद, दिल्ली
प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ल
माननीय सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान, परिषद्, दिल्ली
प्रोफ़ेसर एच.आर.शर्मा
माननीय प्रति कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
श्री जगदीश चन्द रांगड़ा
माननीय कुलसचिव, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
प्रोफ़ेसर रोशनलाल शर्मा
कुलानुशासक, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
डॉ. संजीव शर्मा
माननीय परीक्षा नियंत्रक, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

आयोजन सचिव
प्रोफ़ेसर सतीश गंजू
चेयर प्रोफे., जनजातीय पीठ, हि.प्र.के.वि.वि.
धर्मशाला

संयोजक
डॉ. रवि कुमार गोंड़
हिंदी विभाग, हि.प्र.के.वि.वि.
धर्मशाला

संगोष्ठी सलाहकार समिति

डॉ सुशिम दुबे (कार्यक्रम अधिकारी, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद), प्रोफ़ेसर रोशनलाल शर्मा, प्रोफ़ेसर मनोज सक्सेना , प्रोफ़ेसर बलवान सिंह गौतम, प्रोफ़ेसर बलदेव भाई शर्मा, प्रोफ़ेसर प्रदीप नायर, डॉ. अर्चना कटोच, डॉ. हेमराज बंसल , डॉ. मनप्रीत अरोड़ा, डॉ. खेमराज शर्मा , कुमारी अंजना ।

संगोष्ठी आयोजन/शोध समिति एवं प्रबंधन समिति

श्री हिन्द भूषण, श्री कांती अवस्थी, श्री संजय कुमार सिंह, श्री गिरीश शर्मा, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. अंजना गुलेरिया, डॉ. अमित, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. जयप्रकाश सिंह, डॉ. ऋचा राणा, कुमारी अंजना, शोधार्थी मूलचंद सिंह, संजीव कुमार, हरीशचंद्र, ज्योत्स्ना, रेशमा रेखुंग तथा जम्मू-कश्मीर डिप्लोमा एवं जनजातीय डिप्लोमा के समस्त विद्यार्थी |